बाबा मुक्तानन्द की सिखावनियाँ

बाबा मुक्तानन्द की दिव्य दीक्षा के सम्मान में

'मन्दिर में रहो' सत्संग
१५ अगस्त, २०२०

यदि कोई मुझसे पूछे, "इस संसार में महानतम सम्पत्ति क्या है?" तो मैं कहूँगा, "एक अच्छा मन।"

सत्य की ओर, पृ ४७

मन्त्र परमात्मा का प्राण है। अतः इसे सम्मान के साथ जपो।

सत्य की ओर, पृ ९४

हृदय का अन्तर-प्रदेश पारमेश्वरीय प्रदेश है।

मुक्तेश्वरी, सूक्ति ४३२

परमात्मा शान्ति और न्याय का प्रकाश है। पवित्रता और समभाव उसके स्वभाव हैं। प्रेम और भक्ति उसे प्राप्त करने के साधन हैं।

सत्य की ओर, पृ १७९

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।